Centre of Excellence (CoE) starts at IIT Roorkee

PNS ■ DEHRADUN

The secretary department of chemical and petrochemicals, government of India, Arun Baroka inaugurated a Centre of Excellence (CoE) of Chemical Engineering department of Indian Institute of Technology (IIT) Roorkee on Wednesday. The centre would work under the aegis of the Ministry of Chemicals and Fertilizers, Government of India. A Memorandum of Understanding (MoU) was also inked between the IIT Roorkee and Central Institute of Petrochemicals Engineering and Technology (CIPET) on the occasion. The MoU would

strengthen academic and research cooperation in the areas of petrochemicals, plastics, polymers, chemical engineering and Science, and material science at IIT Roorkee. The Secretary, government of India, Baroka, said, "The CoE in Petrochemicals established at IIT will foster research cooperation in different areas .Moreover, the MoU concluded between IIT Roorkee and CIPET will further the rapidly growing scientific and technological knowledge and professional excellence in science and technology and applied research and consultancy." Speaking on the occasion, the director IIT Roorkee, KK Pant said , "The collaboration will further encourage interaction between the CIPET and IIT Roorkee through the joint supervision in the areas of petrochemicals, plastics, polymers, chemical engineering and science, material science, and other areas." The Director General (GD), CIPET, Shishir Sinha said that CIPET is an institute which operates in the hub and spoke model with over 45 locations across the country with specialization in skill training, technical support, academics as well as research. "The participation of CIPET Experts in IIT Roorkee programmes will prove to be a symbiotic relation for the nation", he said.

the pioneer

DEHRADUN | THURSDAY | FEBRUARY 9, 2023

आईआईटी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पेट्रोकेमिकल का हुआ उद्घाटन

संस्थान, सीआईपीईटी ने एकेडमिक और अनुसंधान की मजबूती के लिए एमओयू साइन किया

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। आईआईटी रुड़की के डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पेट्रोकेमिकल्स का उद्घाटन किया गया। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तत्वावधान में अनुमोदित यह सेंटर 'पेट्रोकेमिकल उद्योगों में प्रक्रिया विकास एवं व्यर्थजल प्रबंधन' पर काम करेगा।

आईआईटी रुड़की और सीआईपीईटी (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) ने आईआईटी में पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक, पॉलिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस एवं मटीरियल साइंस के क्षेत्रों में अकादमिक और अनुसंधान को सशक्त बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।

आईआईटी में एमओयू हस्ताक्षर के दौरान संस्थान निदेशक प्रो. केके पंत एवं अन्य। संवाद

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल, भारत सरकार के सचिव अरुण बरोका ने किया। आईआईटी निदेशक प्रो. केके पंत, संयुक्त सचिव दीपक मिश्रा, प्रो. शिशिर सिन्हा, प्रो. वीसी श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

पेट्रोकेमिकल उद्योगों के लिए होगा काम

रुड़की, संवाददाता। आईआईटी रुड़की के डिपार्टमेन्ट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स इन पेट्रोकेमिकल्स का उद्घाटन किया गया। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तत्वावधान में अनुमोदित यह सेंटर पेट्रोकेमिकल उद्योगों में प्रक्रिया विकास, व्यर्थ जल प्रबन्धन पर काम करेगा।

आईआईटी रुड़की और सीआईपीईटी (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी) ने आईआईटी रुड़की में पेट्रोकेमिकल्स, प्लॉस्टिक, पॉलिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस एवं मटीरियल साइंस के क्षेत्रों में अकादमिक और अनुसंधान को सशक्त बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन पेट्रोकेमिकल्स, प्लॉस्टिक, पॉलिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एवं साइंस के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के महत्व को बढ़ावा देगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स का उद्घाटन, डिपार्टमेन्ट ऑफ केमिकल एंड पेट्रोकमिकल के सचिव अरुण बरोका ने किया।

मौके पर आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर केके पंत, संयुक्त सचिव पेट्रोकेमिकल्स, दीपक मिश्रा, डायरेक्टर जनरल सीआईपीईटी प्रो. शिशिर सिन्हा, हेड केमिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेन्ट प्रो. वीसी श्रीवास्तव मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रो. पंत ने कहा कि वर्तमान में डिपार्टमेन्ट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स पूरी तरह से स्थापित है। ग्रीन केमिकल एवं पेट्रो केमिकल्स में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। यह साझेदारी पेट्रोकेमिकल्स, प्लॉस्टिक्स, पॉलिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस, मटीरियल साइंस एवं अन्य क्षेत्रों में संयुक्त निगरानी के माध्यम से सीआईपीईटी एवं आईआईटी रुड़की के बीच इंटरेक्शन को बढ़ावा देगी। अरुण बरोका ने कहा कि आईआईटी में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स इन पेट्रोकेमिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स, प्लॉस्टिक्स, पॉलिमर्स आदि को बढ़ावा देगा। प्रोफेसर शिशिर सिन्हा ने कहा कि एक संस्थान के रूप में सीआईपीईटी देश के 45 से अधिक लोकेशनों में हब एंड स्पोक मॉडल पर काम करता है, जो कौशल प्रशिक्षण में विशेषज्ञ हैं।

रुड़की आईआईटी के डिपार्टमेन्ट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग में बुधवार को सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स इन पेट्रोकेमिकल्स का उद्घाटन किया। ● हिन्दुस्तान

पेट्रोकेमिकल उद्योगों में विकास एवं व्यर्थ जल प्रबंधन पर होगा काम

आइआइटी रुड़की और सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए

जागरण संवाददाता, रुड़की : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की के डिपार्टमेंट आफ केमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर आफ एक्सीलेंस इन पेट्रोकेमिकल्स में 'पेट्रोकेमिकल उद्योगों में प्रक्रिया विकास एवं व्यर्थ जल प्रबंधन पर काम किया जाएगा। वहीं, आइआइटी रुड़की और सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीआइपीईटी) ने संस्थान में पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक, पालिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस एवं मटीरियल साइंस के क्षेत्रों में अकादमिक और अनुसंधान को सशक्त बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए।

यह समझौता ज्ञापन पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक, पालिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एवं साइंस के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के महत्व को बढ़ावा देगा।

आइआइटी रुड़की में बुधवार को भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तत्वावधान में अनुमोदित सेंटर आफ एक्सीलेंस इन पेट्रोकेमिकल्स का उद्घाटन डिपार्टमेंट आफ केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल, भारत सरकार के सचिव अरूण बरोका ने किया। इस अवसर पर सचिव अरूण बरोका ने कहा कि आइआइटी रुड़की में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पेट्रोकेमिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक्स, पालिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस और मटीरियल साइंस में अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इसके अलावा आइआइटी रुड़की एवं सीआइपीईटी के बीच यह समझौता ज्ञापन एस एंड टी और अप्लाईड रिसर्च एंड कंसलटेंसी में विज्ञानियों एवं तकनीकी ज्ञान और पेशेवर उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की मे सेंटर आफ एक्सीलेंस इन पेट्रोकेमिकल्स का उद्घाटन करते डिपार्टमेंट आफ केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल, भारत सरकार के सचिव अरूण बरोका, संस्थान के निदेशक प्रो. केके पंत और अन्य ● सौजन्य-संस्थान

आइआइटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर केके पंत ने कहा कि वर्तमान में डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स पूरी तरह से स्थापित है और ग्रीन केमिकल एवं पेट्रो केमिकल्स में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। यह साझेदारी पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक्स, पॉलिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस, मटीरियल साइंस एवं अन्य क्षेत्रों में संयुक्त निगरानी के माध्यम से सीआइपीईटी एवं आइआइटी रुड़की के बीच इंटरेक्शन को बढ़ावा देगी। पेट्रोकेमिकल्स के संयुक्त सचिव दीपक मिश्रा ने कहा कि ये संयुक्त प्रयास नियमों एवं विनियमों के साथ किसी तरह का समझौता किए बिना देश में पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक्स, पालिमर्स, केमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस, मटीरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी एवं साइंस के अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षित मैनपावर की उपलब्धता को बढ़ावा देंगे। इस मौके पर संस्थान के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के हेड प्रो. वीसी श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

45 से अधिक लोकेशन में हब एंड स्पोक माडल पर कर रहा काम

रुड़कीः सीआइपीईटी के डायरेक्टर जनरल प्रो. शिशिर सिन्हा ने बताया कि एक संस्थान के रूप में सीआइपीईटी देश के 45 से अधिक लोकेशन में हब एंड स्पोक माडल पर काम करता है। जो कौशल प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग, अकादमी एवं अनुसंधान में विशेषज्ञ हैं। आइआइटी रुड़की प्रोग्राम में सीआइपीईटी विशेषज्ञों की भागीदारी देश के लिए कारगर साबित होगी।

आईआईटी रुड़की ने भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तत्वावधान में सीओई इन पेट्रोकैमिकल्स का किया उद्घाटन

रुड़की (दैनिक हाक): इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रूड़की ने आईआईटी रुड़की के डिपार्टमेन्ट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स इन पेट्रोकैमिकल्स का उद्घाटन किया। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तत्वावधान में अनुमोदित यह सेंटर 'पेट्रोकैमिकल उद्योगों में प्रक्रिया विकास एवं व्यर्थजल प्रबन्धन' पर काम करेगा। सीओई का नेतृत्व शुरू में प्रो. शिशिर सिन्हा ने किया था और बाद में प्रो. वी. सी. श्रीवास्तव व अन्य सहयोगी ने किया।

आईआईटी रुड़की और सीआईपीईटी (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकैमिकल्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी) ने आईआईटी रुड़की में पेट्रोकैमिकल्स, प्लास्टिक, पॉलिमर्स, कैमिकल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस एवं मटीरियल साइंस के क्षेत्रों में अकादमिक और अनुसंधान को सशक्त बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन पेट्रोकैमिकल्स, प्लास्टिक, पॉलिमर्स, कैमिकल इंजीनियरिंग एवं साइंस के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के महत्व को बढ़ावा देगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स का उद्घाटन श्री अरूण बरोका, आईएएस, सचिव, डिपार्टमेन्ट ऑफ कैमिकल एण्ड पेट्रोकैमिकल, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रोफेसर

के.के. पंत, डायरेक्टर, आईआईटी रुड़की, दीपक मिश्रा, संयुक्त सचिव, पेट्रोकैमिकल्स, प्रोफेसर, शिशिर सिन्हा, डायरेक्टर जनरल, सीआईपीईटी और प्रोफेसर वीसी श्रीवास्तव, हैड कैमिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेन्ट भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर के.के. पंत, डायरेक्टर, आईआईटी रुड़की ने कहा कि ''वर्तमान में डिपार्टमेन्ट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स पूरी तरह से स्थापित है और ग्रीन कैमिकल एवं पेट्रो कैमिकल्स में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। यह साझेदारी पेट्रोकैमिकल्स, प्लास्टिक्स, पॉलिमर्स, कैमिकल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस, मटीरियल साइंस एवं अन्य क्षेत्रों में संयुक्त निगरानी के माध्यम से सीआईपीईटी एवं आईआईटी रूड़की के बीच इंटरैक्शन को बढ़ावा देगी। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अरूण बरोका, आईएएस, सचिव, डिपार्टमेन्ट ऑफ कैमिकल एण्ड पेट्रोकैमिकल्स, भारत सरकार ने कहा, ''आईआईटी में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स इन पेट्रोकैमिकल्स, पेट्रोकैमिकल्स, प्लास्टिक्स, पॉलिमर्स, कैमिकल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस और मटीरियल साइंस में अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इसके अलावा आईआईटी रुड़की एवं सीआईपीईटी के बीच यह समझौता ज्ञापन एस एण्ड टी और अप्लाईड रीसर्च एण्ड कन्सलटेन्सी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान और पेशेवर उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करेगा।' प्रोफेसर शिशिर सिन्हा, डायरेक्टर जनरल, सीआईपीईटी ने कहा, ''एक संस्थान के रूप में सीआईपीईटी देश के 45 से अधिक लोकेशनों में हब एण्ड स्पोक मॉडल पर काम करता है, जो कौशल प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग, अकादमी एवं अनुसंधान में विशेषज्ञ है। आईआईटी रुड़की प्रोग्राम में सीआईपीईटी विशेषज्ञों की भागीदारी देश के लिए कारगर साबित होगी।' सीआईपीईटी एवं आईआईटी रुड़की के बीच साझेदारी पर बात करते हुए दीपक मिश्रा, संयुक्त सचिव, पेट्रोकैमिकल्स ने कहा कि ''ये संयुक्त प्रयास नियमों एवं विनियमों के साथ किसी तरह का समझौता किए बिना देश में पेट्रोकैमिकल्स, प्लास्टिक्स, पॉलिमर्स, कैमिकल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस, मटीरियल साइंस तथा इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी एवं साइंस के अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षित मैनपावर की उपलब्धता को बढ़ावा देंगे।

IIT Roorkee Inaugurates CoE In Petrochemicals Under The Aegis Of The Ministry Of Chemicals And Fertilizers, Government Of India

- **IIT Roorkee and CIPET (Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology) concludes an MoU to strengthen academic and research cooperation**

Roorkee (The Hawk): Indian Institute of Technology Roorkee (IIT Roorkee) inauguratеda Centre of Excellence (CoE) at the Dept. of Chemical Engg, IIT Roorkee in Petrochemicals for working in the area of "Process Development and Wastewater Management in Petrochemical Industries" sanctioned by the Ministry of Chemicals and Fertilizers.The CoE was initially led by Prof. Shishir Sinha and later by Prof. V.C. Srivastava and other colleagues.

IIT Roorkee and CIPET (Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology) also signedan MoU to strengthen academic and research cooperation in the areas of Petrochemicals, Plastics, Polymers, Chemical Engineering and Science, and Material Science at IIT Roorkee.The MoU outlines the imperative fair recognizing the importance of academic and research cooperation in the areas of Petrochemicals, Plastics, Polymers, Chemical Engineering and Science.

The Centre of Excellence (CoE) was inaugurated by Shri Arun Baroka, IAS, Secretary, Department of Chemical and Petrochemicals, Govt of India. It was dignified by the presence of Prof K.K. Pant, Director IIT Roorkee, Shri Deepak Mishra, Joint Sectary, Petrochemicals; Prof. Shishir Sinha, Director General, CIPET, and Prof. V C Srivastava, Head Chemical Engineering Department.

During the ceremony Prof K.K. Pant, Director, IIT Roorkee, said that,"Presently, the CoE is fully established in the Department of Chemical Engineering and is doing excellence in terms of research and development activities in the areas of Green Chemical and Petrochemicals."Prof K.K. Pant added that,"The collaboration will further encourage interaction between the CIPET and IIT Roorkee through the joint supervision in the areas of Petrochemicals, Plastics, Polymers, Chemical Engineering and Science, Material Science, and other areas."

While inaugurating the event, Shri Arun Baroka, IAS, Secretary, Department of Chemical and Petrochemicals, Govt of India, said, "The CoE in Petrochemicals established at IIT will foster research cooperation in the areas of Petrochemicals, Plastics, Polymers, Chemical Engineering and Science, and Material Science. Moreover, the MoU concluded between IIT Roorkee and CIPET will further the rapidly growing scientific and technological knowledge and professional excellence in S&T and applied research and consultancy."

Prof. Shishir Sinha, Director General, CIPET, said,"CIPET as an institute operates in the hub and spoke model with over 45 locations across the country with specialization in skill training, technical support, academics as well as research. And the participation of CIPET Experts in IIT Roorkee Programs will prove to be a symbiotic relation for the nation." Regarding collaboration between CIPET and IIT Roorkee, Shri Deepak Mishra, Joint Sectary, Petrochemicals, said, "The joint efforts will enhance, within the country, the availability of highly qualified manpower in the areas of Petrochemicals, Plastics, Polymers, Chemical Engineering and Science, Material Science, and other areas of Engineering, Technology, and Science without any prejudice to prevailing rules and regulations."

Centre of Excellence (CoE) starts at IIT Roorkee

PNS ■ DEHRADUN

The secretary department of chemical and petrochemicals, government of India, Arun Baroka inaugurated a Centre of Excellence (CoE) of Chemical Engineering department of Indian Institute of Technology (IIT) Roorkee on Wednesday. The centre would work under the aegis of the Ministry of Chemicals and Fertilizers, Government of India. A Memorandum of Understanding (MoU) was also inked between the IIT Roorkee and Central Institute of Petrochemicals Engineering and Technology (CIPET) on the occasion. The MoU would

strengthen academic and research cooperation in the areas of petrochemicals, plastics, polymers, chemical engineering and Science, and material science at IIT Roorkee. The Secretary, government of India, Baroka, said, "The CoE in Petrochemicals established at IIT will foster research cooperation in different areas .Moreover, the MoU concluded between IIT Roorkee and CIPET will further the rapidly growing scientific and technological knowledge and professional excellence in science and technology and applied research and consultancy." Speaking on the occasion, the director IIT Roorkee, KK Pant said , "The collaboration will further encourage interaction between the CIPET and IIT Roorkee through the joint supervision in the areas of petrochemicals, plastics, polymers, chemical engineering and science, material science, and other areas." The Director General (GD), CIPET, Shishir Sinha said that CIPET is an institute which operates in the hub and spoke model with over 45 locations across the country with specialization in skill training, technical support, academics as well as research. "The participation of CIPET Experts in IIT Roorkee programmes will prove to be a symbiotic relation for the nation," he said.

आइआइटी में सीओई इन पेट्रोकैमिकल्स का उद्घाटन

- **अनुसंधान को सशक्त बनाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर**

भास्कर समाचार सेवा

समझौते पर हस्ताक्षर करते आइआइटी रुड़की और सीआइपीइटी के पदाधिकारी।

रुड़की। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रुड़की के डिपार्टमेन्ट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पेट्रोकैमिकल्स का उद्घाटन किया। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तत्वावधान में अनुमोदित यह सेंटर पेट्रोकैमिकल उद्योगों में प्रक्रिया विकास एवं व्यर्थजल प्रबंधन पर काम करेगा। सीओई का नेतृत्व शुरू में प्रो. शिशिर सिन्हा ने किया था और बाद में प्रो. वीसी श्रीवास्तव व अन्य सहयोगी ने किया।

आईआईटी रुड़की और सीआईपीईटी (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकैमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) ने आईआईटी रुड़की में पेट्रोकैमिकल्स, प्लास्टिक, पॉलिमर्स, कैमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस एवं मटीरियल साइंस के क्षेत्रों में अकादमिक और अनुसंधान को सशक्त बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए आईआईटी डायरेक्टर प्रो. केके पंत ने कहा कि वर्तमान में डिपार्टमेंट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूरी तरह से स्थापित है और ग्रीन कैमिकल एवं पेट्रो कैमिकल्स में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डिपार्टमेंट ऑफ कैमिकल एंड पेट्रोकैमिकल्स, भारत सरकार, सचिव,आईएएस अरूण बरोका ने कहा कि आईआईटी रुड़की एवं सीआईपीईटी के बीच यह समझौता ज्ञापन एसएंडटी और अप्लाईड रिसर्च एंड कंसलटेंसी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान और पेशेवर उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करेगा। प्रो. शिशिर सिन्हा, डायरेक्टर जनरल, सीआईपीईटी ने कहा कि एक संस्थान के रूप में सीआईपीईटी देश के 45 से अधिक लोकेशनों में हब एंड स्पोक मॉडल पर काम करता है, जो कौशल प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग, अकादमी एवं अनुसंधान में विशेषज्ञ है। इस मौके पर प्रोफेसर केके पंत, दीपक मिश्रा, संयुक्त सचिव, पेट्रोकैमिकल्स, प्रो. शिशिर सिन्हा आदि मौजूद थे।